

निरक्षर व्यक्ति से हस्ताक्षर के स्थान पर अँगूठे का चिह्न लगवाया जाता है पर्या. अँगूठा निशान।

अँगूठा-छाप वि. (तत्.) 1. अपनी पहचान-हेतु अँगूठे का निशान लगाने वाला निरक्षर व्यक्ति 2. बिना पढ़ालिखा व्यक्ति।

अँगूठी स्त्री. (तत्.) 1. उंगली में पहनने का धातु का आभूषण, मुंदरी मुहा. अँगूठी का नगीना-अत्यंत गुणी व्यक्ति 2. स्त्री. (तद्.) चारों ओर घेरा डालने की प्रक्रिया।

अंगूर पुं. (फा.) एक प्रसिद्ध सरस फल जो गुच्छों में लगता है और पकने पर खाने एवं शराब बनाने के काम भी आता है, इसे सुखाकर इसकी दाख (द्राक्षा) बनती है मुहा. अंगूर खट्टे होना-प्राप्त न हो सकने वाली वस्तु को तुच्छ बतलाना।

अंगूरिया वि. (फा.) अंगूरी, अंगूर वाली।

अंगूरी वि. (फा.) 1. अंगूर से बनी हुई शराब 2. अंगूरों के रंग (हल्का हरे रंग) का।

अंगेश पुं. (तत्.) 1. अंगदेश का राजा 2. अंगदेश का राजा और महारथी।

अंगोच्छेदन पुं. (तत्.) शरीर के किसी अंग को शल्यक्रिया से काटकर निकाल देना, अंग विच्छेदन।

अंगोछा पुं. (तद्.) देह पोंछने का कपड़ा, गमछा।

अंग्रेज पुं. (देश.) 1. इंग्लैंड का निवासी 2. (सामान्य बोलचाल में) गोरी चमड़ीवाला कोई भी विदेशी व्यक्ति।

अंग्रेजी वि. (देश.) 1. अंग्रेजों की भाषा 2. इंग्लैंड या उसके वासियों से संबद्ध; अंग्रेजों का जैसे-अंग्रेजी हुकूमत।

अंधड़ा पुं. (तत्.) कांसे का छल्ला जिसे गरीब ग्रामीण पैर के अंगूठे में पहनते हैं।

अंधस पुं. (तत्.) 1. पाप 2. अपराध।

अंचना अ.क्रि. (तत्.) 1. आचमन करना, पीना 2. नष्ट कर देना (लाक्ष.) 3. भोजन के बाद हाथ-मुंह धोना।

अंचल पुं. (तत्.) 1. साड़ी या ओढ़नी का वह भाग जो सीधी साड़ी पहनने पर वक्ष को ढके रहता है और उल्टी साड़ी पहनने पर पीछे लटकता रहता है 2. किसी प्रदेश का कोई विशिष्ट क्षेत्र, जैसे पूर्वांचल, दक्षिणांचल zone

अंचित वि. (तत्.) 1. पूजित, आराधित 2. गूँथा हुआ 3. व्यवस्थित 4. सिला हुआ 5. कुटिल 6. घुंघराले बालों वाला 7. सुंदर।

अंछ स्त्री. (देश.) आँख।

अंछया पुं. (देश.) 1. लोभ, लालच 2. कामना, वासना।

अंछर पुं. (देश.) 1. अक्षर 2. टोना-टोटका या उसका मंत्र।

अंज पुं. (देश.) कमल।

अंजन पुं. (तत्.) 1. काजल, सुरमा 2. स्याही।

अंजनकेश पुं. (तत्.) दीपक, दीया।

अंजन केशी स्त्री. (तत्.) 1. नख नामक सुगंधित द्रव्य 2. काले बालों वाली स्त्री।

अंजनशलाका स्त्री. (तत्.) अंजन या सुरमा लगाने की सलाई।

अंजनहारी स्त्री. (तत्.) 1. आंख की पलक के किनारे की फुंसी, बिलनी, गुहाजनी, अंजना 2. एक प्रकार का उड़ने वाला कीड़ा, कुम्हारी, भृंगी।

अंजना स्त्री. (तत्.) 1. केशरी नामक एक वानर की स्त्री का नाम जिसके गर्भ से हनुमान उत्पन्न हुए थे 2. बिलनी, गुहाजनी 3. दो रंग की छिपकली 4. एक प्रकार का मोटाधान।

अंजनी स्त्री. (तत्.) 1. चंदन लगाए हुए स्त्री 2. कुटकी 3. हनुमान की माता।

अंजर-पंजर पुं. (अनु+तत्.) 1. हड्डियों का ढाँचा, ठठरी 2. किसी वस्तु के ढांचे के विभिन्न हिस्से तथा उनका जोड़ मुहा. अंजर-पंजर ढीला होना-